ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-5* Issue-12* March-2021
Anthology : The Research

कक्षा नवमी की प्रतिभाशाली न्यून उपलब्धि प्राप्त छात्राओं की न्यून उपलब्धि के संभावित कारकों को ज्ञात करना

To Find out the possible factors of under achievment of gifted girls under achivers of class 9th

Paper Submission: 03/03/2021, Date of Acceptance: 15/03/2021, Date of Publication: 25/03/2021

सरस्वती शर्मा
प्राचार्य,
शिक्षाशास्त्र,
विवेकानंद कॉलेज ऑफ बी0एड0 धूणीमाता, डबोक
उदयपुर, राजस्थान, भारत

सारांश

न्यून उपलब्धि के समंको का विश्लेषण करने पर शोधार्थी ने पाया कि कक्षा नवमीं की प्रतिभाशाली छात्रों की न्यून उपलब्धि के लिए विद्यालय का सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, कक्षा – कक्ष का भौतिक वातावरण तथा छात्राओं की स्वयं की अध्ययन आदतें यथा गृह कार्य पूरा नहीं करना पढ़ने का निश्चित समय चक्र का नहीं होना एवं शिक्षण पद्धतिया भी उत्तरदाई कारक रहे हैं।

मुख्य शब्द : प्रतिभाशाली बालिका, प्रतिभाशाली न्यून उपलब्धि बालिका, शैक्षिक उपलब्धि
Gifted Girls, Gifted Underachievers, Academic Performance

प्रस्तावना

भारत एक विशाल प्रजातांत्रिक देश है तथा उसकी प्रगति प्रतिभाशाली बालक बालक बालिकाओं की उपलब्धियों पर निर्भर करती है, ये बालक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च कोटि का प्रदर्शन करते हैं, तथा राष्ट्र को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न उत्तरदायित्व को सुचारू, संगठित एवं संतुलित तरीके से अन्य राष्ट्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ाते हैं । इन बालकों के नेतृत्व के गुण, राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को सुदृढ बना सकती है, सामाजिक हित में अनेक कार्य कर सकती है और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उन्नत उदाहरण प्रस्तुत कर सकती है। इन बालकों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है, जिससे इनकी सम्पूर्ण मानसिक शक्तियों का पूरा–पूरा लाभ समाज एवं राष्ट्र को मिल सके, किन्तु कभी–कभी ऐसा भी पाया गया है कि प्रतिभाशाली बालक शैक्षिक दृष्टि से पिछड जाते हैं, फलस्वरूप राष्ट्र को इसकी क्षति पहुँचती है अतः इन छात्राओं के न्यून उपलब्धि के कारणों को जानने हेतु शोधार्थी को प्रेरणा मिली कि वे कौन – कौन से कारण हो सकते हैं, जिनकी वजह से कक्षा नवमी की छात्राएँ, प्रतिभाशाली तो है, पर शैक्षिक न्यून उपलब्धता क्यों है? इसी आशय को लेकर एक प्रयास किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. कक्षा नवी की प्रतिभाशाली न्यून उपलब्धि प्राप्त छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
2. प्रतिभाशाली न्यून उपलब्धि प्राप्त छात्राओं का कक्षा के आधार पर निम्न उपलब्धि के कारणों को ज्ञात करना।
3. प्रतिभाशाली न्यून उपलब्धि प्राप्त छात्राओं के विद्यालय के भौतिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पर्यावरणीय कारकों को ज्ञात करना।
4. प्रतिभाशाली न्यून उपलब्धि प्राप्त छात्राओं की स्वयं की अध्ययन आदतों का पता लगाना।

कक्षा 9वीं की प्रतिभाशाली न्यून उपलब्धि प्राप्त छात्राओं की न्यून उपलब्धि के कारकों के क्षेत्रवार प्रतिशत मान

क्रस.	वर्ग	S.P.E.	S.S.E	P.S. Y. E.	S. du.E.	EVA	Class.P.E.	C.Edu.E.	S.S.H.	Tech.Met
1.	G	80.30	89.90	66.24	89.57	93.18	65.23	92.23	96.59	63.22

G = 9 वीं कक्षा की छात्राएँ
S.P.E.= विद्यालय का भौतिक वातावरण
S.S.E- विद्यालय का सामाजिक वातावरण
P. S. Y. E.= मनोवैज्ञानिक वातावरण
S. Edu.E.= विद्यालय का शैक्षिक वातावरण
EVA = मूल्यांकन
Class.P.E= कक्षा–कक्ष का भौतिक वातावरण
C. Edu.E.= कक्षा–कक्ष का शैक्षिक वातावरण
S.S.H.= छात्राओं की अध्ययन आदतें
Teaching Method = शिक्षण पद्धतियों

1. आरेख में कक्षा 9वीं की प्रतिभाशाली न्यून उपलब्धि प्राप्त छात्राओं न्यून उपलब्धि के सम्भावित कारकों के प्रतिशत मानों को प्रस्तुत किया गया है।
2. सारणी के अनुसार क्षेत्र प्रथम विद्यालय का भौतिक वातावरण से सम्बन्धित प्रतिशत मान 80.30 प्राप्त हुए है।

प्रतिशत मानों का मूल्य देखते हुए कहा जा सकता हैं कि कक्षा 9वीं की छात्राएँ विद्यालय के भौतिक वातावरण यथा (विद्यालय की स्थिति, कक्षा–कक्ष के आकार, पीने का पानी, शौचालय, खेलने के मैदान, पुस्तकालय व्यवस्था) आदि से सन्तुष्ट हैं।

तात्पर्य यह है कि छात्राओं की न्यून उपलब्धि के लिए विद्यालय के भौतिक वातावरण को पूर्णतः उत्तरदायी नहीं कहा जा सकता है।

3. सारणी के अनुसार क्षेत्र द्वितीय विद्यालय का सामाजिक वातावरण से सम्बन्धित प्रतिशत मान 89.90 प्राप्त हुए है।

प्रतिशत मानों का मूल्य देखते हुए कहा जा सकता है कि लगभग 90 प्रतिशत छात्राएँ विद्यालय के सामाजिक वातावरण यथा (संहपाठियों के साथ सामजस्य, अध्यापक–अभिभावक सम्बन्ध, शिक्षकों का आदि से सन्तुष्ट नहीं है ।

तात्पर्य यह है कि छात्राओं की न्यून उपलब्धि के लिए विद्यालय के सामाजिक वातावरण को उत्तरदायी कहा जा सकता है।

4. सारणी के अनुसार क्षेत्र तृतीय मनोवैज्ञानिक वातावरण से सम्बन्धित प्रतिशत मान 66 प्राप्त हुए है।

प्रतिशत मानों का मूल्य देखते हुए कहा जा सकता है कि लगभग 66.24 प्रतिशत छात्राएँ विद्यालय के मनोवैज्ञानिक वातावरण यथा (शिक्षक, छात्र–छात्राओं की "शैक्षिक एवं व्यक्तिगत कठिनाईयों को दूर करते हैं छात्रा, स्वयं को विद्यालय में सुरक्षित अनुभव करती हैं, शिक्षकों का पर्याप्त स्नेह मिलता है ।) आदि से सन्तुष्ट नहीं है।

तात्पर्य यह है कि छात्राओं की न्यून उपलब्धि के लिए विद्यालय के मनोवैज्ञानिक वातावरण को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।

5. सारणी के अनुसार क्षेत्र चतुर्थ विद्यालय का शैक्षिक वातावरण से सम्बन्धित प्रतिशत मान 89.57 प्राप्त हुए है।

प्रतिशत मानों का मूल्य देखते हुए कहा जा सकता है कि लगभग अधिकांश छात्राएँ विद्यालय के शैक्षिक वातावरण यथा (विषय वस्तु पढ़ना, शिक्षकों का समय पर कक्षा में आना, पाठ्य सहगामी क्रियाओं का संचालन, अनुशासन, शिक्षण सहायक सामग्री का पर्याप्त प्रयोग) आदि से सन्तुष्ट है ।

तात्पर्य यह है कि छात्राओं की न्यून उपलब्धि के लिए विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को उत्तरदायी नहीं कहा जा सकता।

6. सारणी के अनुसार क्षेत्र पंचम मूल्यांकन से सम्बन्धित प्रतिशत मान 93.18 प्राप्त हु, है।

प्रतिशत मानों का मूल्य देखते हुए कहा जा सकता है कि 93 प्रतिशत छात्राएँ मूल्यांकन व्यवस्था यथा (शैक्षिक कार्यों का मूल्यांकन, पक्षपात रहित मूल्यांकन, मूल्यांकन पश्चात उचित मार्गदर्शन) से सन्तुष्ट है।

तात्पर्य यह है कि छात्राओं की न्यून उपलब्धि के लिए विद्यालय के मूल्यांकन व्यवस्था को उत्तरदायी नहीं कहा जा सकता।

7. सारणी के अनुसार क्षेत्र षष्ठम् कक्षा – कक्षा का भौतिक वातावरण से सम्बन्धित प्रतिशत मान 65.23 प्राप्त हुए है।

प्रतिशत मानों का मूल्य देखते हुए कहा जा सकता है कि लगभग 66 प्रतिशत छात्राएं विद्यालय के कक्षा–कक्ष के भौतिक वातावरण यथा (कक्षा की बैठक व्यवस्था. प्रकाश व्यवस्था, श्यामपट्ट, रोशनदान, दरी–पट्टियों) आदि से सन्तुष्ट नहीं है।

तात्पर्य यह है कि छात्राओं की न्यून उपलब्धि के लिए विद्यालय के कक्षा–कक्ष का भौतिक वातावरण को उत्तरदायी कहा जा सकता है ।

8. सारणी के अनुसार क्षेत्र सप्तम क[ा–कक्ष का "ौ[िक वातावरण से सम्बन्धित प्रतिशत मान 92.23 प्राप्त हुए है ।

प्रतिशत गानों का मूल्य देखते हुए कहा जा सकता है कि लगभग 92 प्रतिशत छात्राएँ विद्यालय के

कक्षा कक्ष के शैक्षिक वातावरण यथा (शिक्षकों का समय पर कक्षा में न आना, छात्राओं की कक्षा में उपस्थिति है, पाठ्यक्रम समय पर पूरा करवाना) आदि से सन्तुष्ट नहीं है।

तात्पर्य यह है कि छात्राओं की न्यून उपलब्धि के लिए विद्यालय के कक्षा कक्ष का शैक्षिक वातावरण को उत्तरदायी कहा जा सकता हैं।

9. सारणी के अनुसार क्षेत्र अष्ठम् विद्यार्थियों की अध्ययन आदतों से प्राप्त मानों के प्रतिशत गान 96.59 प्राप्त हुए है ।

प्रतिशत मानों का मूल्य देखते हुए कहा जा सकता है कि अधिकांश छा=ँ, स्वयं की अध्ययन आदतें यथा (प्रतिदिन गृह कार्य पूरा करना, पढ़ने का निश्चित समय चक्र, कठिन तथ्यों एवं शब्दों को लिखकर याद करना) आदि से सन्तुष्ट नही है।

तात्पर्य यह है कि छात्राओं की न्यून उपलब्धि के लिए छात्राओं की अध्ययन आदतें न्यून उपलब्धि हेतु पूर्णतः उत्तरदायी हैं ।

10. सारणी के अनुसार क्षेत्र नवम् शिक्षण पद्धतियों से सम्बन्धित प्रतिशत मान 63 प्राप्त हुए है।

प्रतिशत मानों का मूल्य देखते हुए कहा जा सकता है कि लगभग 63ः छात्राएँ शिक्षण पद्धतियों यथा (अलग–अलग समूहों में बांटकर शिक्षण करवाना, शैक्षिक विषयों पर परिचर्चा करना) आदि से सन्तुष्ट नहीं हैं।

तात्पर्य यह है कि छात्राओं की न्यून उपलब्धि के लिए शिक्षण पद्धतियों को पूर्णतः उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।

निष्कर्ष

प्रतिशत मानों के आधार पर निम्नांकित निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं, जो न्यून उपलब्धता हेतु उत्तरदायी रहे हैं।

1. विद्यालय का सामाजिक वातावरण
2. विद्यालय का मनोवैज्ञानिक वातावरण
3. कक्षा – कक्ष का शैक्षिक वातावरण
4. छात्राओं की स्वयं की अध्ययन आदतें
5. शिक्षण पद्धतियां

न्यून उपलब्धि हेतु उपरोक्त कारकों को उत्तदायी माना गयाहैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *बेस्ट जे .डब्ल्यू (1982) "रिसर्च इन एजुकेशन" प्रिंटिक हॉल, लिमिटेड, नई दिल्ली*
2. *चौहान, एस. एस. (1978) "एडवांस एजुकेशन साइकोलॉजी," विकास पब्लिशिंग हाउस, प्रा० लिमिटेड,नई दिल्ली*
3. *मितरा, के० (1985) पी ० एच ० डी० ने "प्रतिभाशाली न्यून उपलब्धि वाले छात्रों के प्रभावी सहसंबंध का अध्ययन किया" यूनिवर्सिटी दिल्ली*
4. *"Journal of Education" Vol, 1 July 2006.*
5. *Bruce Joyce, Marsha weil "Models of Teaching" prentice hall of India, New Delhi.*
6. *B. Kuppuswamy (1999): "Advanced Educational Psychology." New Delhi, Sterling Publishers Pvt. Ltd.*